

Hayagrīva's
ŚĀKTA-DARŚANA

Edited critically
with Introduction, gloss in
Sanskrit and appendices

BY

Prof. K. V. Abhyankar



1966

विषयानुक्रमिका

आवतवर्गम्

| | पृ. | पं. | | पृ. | पं. |
|---------------------------------------|-----|-----|---------------------------------|-----|-----|
| महाभाष्यम् | १ | १ | पञ्चमोऽध्यायः (२२-२५) | | |
| प्रथमोऽध्यायः (१-६) | | | योगिसमाध्यायज्ञानम् (२३) | १० | १ |
| शान्तिनिरुपपन्नकथनम् (१) | २ | २ | अध्यासविधेयम् (२३) | १८ | २ |
| शान्तिनिरुपपन्नम् (२) | ३ | ३ | गुरुमाहात्म्यम् (२४) | १९ | ३ |
| शिरानिरुपपन्नम् (३) | ३ | ४ | आरम्भजीवनमभिरुपपन्नम् (२५) | २० | ४ |
| अविद्यानिरुपपन्नम् (४) | ४ | ५ | | | |
| अमृतकृतनिरुपपन्नम् (५) | ४ | ६ | षष्ठोऽध्यायः (२६-३१) | | |
| अश्लेषकृतनिरुपपन्नम् (६) | ५ | ७ | कर्मयोगनिरुपपन्नम् (२६) | २१ | २ |
| द्वितीयोऽध्यायः (७-१२) | | | मुच्यतेधर्माश्चैव (२७) | २३ | ३ |
| पराशरमन्त्रम् (७) | ७ | ८ | इन्द्रास्वरूपम् (२८) | २२ | ४ |
| पराशरमन्त्रनिरुपपन्नम् (८) | ७ | ९ | ज्ञानरूपानुसृत्यमन्त्रम् (२९) | २२ | ५ |
| गौतममन्त्रम् (९) | ८ | ९ | प्रमाणमेवाः (३०) | २३ | ६ |
| गौतममन्त्रनिरुपपन्नम् (१०) | ८ | १० | जीवन्मुक्तम् (३१) | २४ | ७ |
| शाङ्ख्यमन्त्रम् (११) | ९ | ११ | सप्तमोऽध्यायः (३२-३७) | | |
| शाङ्ख्यमन्त्रनिरुपपन्नम् (१२) | ९ | १२ | मूर्तिप्रत्यक्षत्वम् (३२) | २५ | ८ |
| तृतीयोऽध्यायः (१३-१७) | | | देहात्मनोः परस्परध्यायः (३३) | २६ | ९ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (१३) | १० | १३ | पञ्चमोऽध्यायः (३४) | २७ | १० |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वनिरुपपन्नम् (१४) | १० | १४ | आत्मनः स्वरूपम् (३५) | २८ | ११ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (१५) | ११ | १५ | अज्ञानात्प्रतीत्यतिशयम् (३६) | २८ | १२ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (१६) | १२ | १६ | शक्तिस्वरूपज्ञानम् (३७) | २९ | १३ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (१७) | १३ | १७ | | | |
| चतुर्थोऽध्यायः (१८-२१) | | | अष्टमोऽध्यायः (३८-४२) | | |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (१८) | १४ | १८ | विद्येतजसात्मनोऽर्थम् (३८) | ३१ | १४ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (१९) | १५ | १९ | आकाशमर्थम् (३९) | ३२ | १५ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (२०) | १६ | २० | तुरीयात्मनोऽर्थम् (४०) | ३३ | १६ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (२१) | १७ | २१ | शक्तिस्वरूपकथनम् (४१) | ३३ | १७ |
| गणेशस्य जगत्कारणत्वम् (२२) | १८ | २२ | अविद्यापञ्चमः (४२) | ३४ | १८ |

| | पृ. | प. |
|-------------------------------|-----|----|
| अथमोऽध्यायः (४३-४७) | | |
| गीतमाभिमतस्वप्नज्ञानम् (४३) | ३५ | ६ |
| अवयवमिच्छावयवम् (४४) | ३५ | ५ |
| अभिहितवाक्यार्थम् (४५) | ३६ | ५ |
| वाक्यार्थम् (४६) | ३७ | ६ |
| वाक्यार्थमिच्छावयवम् (४७) | ३८ | ६ |

| | | |
|------------------------------|----|----|
| दशमोऽध्यायः (४८-५२) | | |
| मोक्षमार्गम् (४८) | ३९ | १ |
| विश्वामित्रोद्भवम् (४९) | ३९ | ११ |
| मोक्षमार्गम् (५०) | ४० | ७ |
| नागवन्धनम् (५१) | ४१ | ७ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (५२) | ४१ | ५ |

| | | |
|--------------------------------|----|----|
| एकादशोऽध्यायः (५३-५८) | | |
| लालस्यमिच्छावयवम् (५३) | ४२ | १० |
| लालस्यमिच्छावयवम् (५४) | ४२ | १३ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (५५) | ४४ | ९ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (५६) | ४५ | २ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (५७) | ४५ | ८ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (५८) | ४६ | ६ |

| | | |
|---------------------------------|----|----|
| द्वादशोऽध्यायः (५९-६३) | | |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (५९) | ४७ | ७ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६०) | ४८ | २ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६१) | ४८ | ११ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६२) | ४९ | १० |

| | | |
|----------------------------------|----|----|
| त्रयोदशोऽध्यायः (६४-७०) | | |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६४) | ५१ | ७ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६५) | ५१ | ११ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६६) | ५२ | ११ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६७) | ५३ | २ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (६८) | ५४ | २ |

| | पृ. | प. |
|-------------------------------------|-----|----|
| नियमनिरूपणम् (६९) | ५५ | ३ |
| आशयनिरूपणम् (७०) | ५५ | ५ |
| मोक्षमार्गमिच्छावयवम् (७१) | ५६ | २ |

| | | |
|------------------------------------|----|---|
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७२-७६) | | |
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७२) | ५७ | ५ |
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७३) | ५८ | ८ |
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७४) | ५९ | १ |
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७५) | ६० | २ |
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७६) | ६० | ४ |
| चतुर्विंशोऽध्यायः (७७) | ६१ | ८ |

| | | |
|-----------------------------------|----|--|
| पञ्चविंशोऽध्यायः (७८-८३) | | |
| पञ्चविंशोऽध्यायः (७८) | ६२ | |
| पञ्चविंशोऽध्यायः (७९) | ६३ | |
| पञ्चविंशोऽध्यायः (८०) | ६४ | |
| पञ्चविंशोऽध्यायः (८१) | ६५ | |
| पञ्चविंशोऽध्यायः (८२) | ६६ | |
| पञ्चविंशोऽध्यायः (८३) | ६७ | |

| | | |
|-------------------------------|----|---|
| षष्ठोऽध्यायः (८४-८८) | | |
| षष्ठोऽध्यायः (८४) | ६८ | १ |
| षष्ठोऽध्यायः (८५) | ६९ | १ |
| षष्ठोऽध्यायः (८६) | ७० | १ |
| षष्ठोऽध्यायः (८७) | ७१ | १ |
| षष्ठोऽध्यायः (८८) | ७२ | २ |

| | | |
|--------------------------------|----|----|
| सप्तमोऽध्यायः (८९-९४) | | |
| सप्तमोऽध्यायः (८९) | ७३ | ११ |
| सप्तमोऽध्यायः (९०) | ७४ | ८ |
| सप्तमोऽध्यायः (९१) | ७५ | १ |
| सप्तमोऽध्यायः (९२) | ७६ | १ |
| सप्तमोऽध्यायः (९३) | ७७ | २ |
| सप्तमोऽध्यायः (९४) | ७८ | २ |

| पृ. नं. | पृ. नं. |
|---------------------------------|---|
| सप्तमोऽध्यायः (८१-९१) | पुनराहास्यसंकीर्तनपूर्वकं बोधायनम् |
| सप्तमोऽध्यायः (८१-९१) | (१००) ८१ ६ |
| सप्तमोऽध्यायः (८१-९१) | Appendix No. 1 (A list of |
| सप्तमोऽध्यायः (८१-९१) | important words) ८१ १ |
| सप्तमोऽध्यायः (८१-९१) | Appendix No. 2 (Śaktisūtra |
| सप्तमोऽध्यायः (८१-९१) | of Agastya) विषयानुक्रमिका |
| | १०७ १ |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | शक्तिसूत्रम् (प्रथमोऽध्यायः) |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | १०१ १ |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | शक्तिसूत्रम् (द्वितीयोऽध्यायः) |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | १०२ १ |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | शक्तिसूत्रम् (तृतीयोऽध्यायः) |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | १०३ १ |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | शक्तिसूत्रम् (चतुर्थोऽध्यायः) |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | १०४ १ |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | Amendments made in the |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | text of the manuscript |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | १०५ १ |
| अष्टमोऽध्यायः (९३-१००) | १०६ १ |